MINDTHEORY

प्लानिंग फैलेसी:

काम में उम्मीद से ज़्यादा समय क्यों लगता है?

1 प्लानिंग फैलेसी क्या है?

प्लानिंग फैलेसी एक आम मानसिक पूर्वाग्रह है, जिसमें हम किसी काम को पूरा करने में लगने वाले समय, मेहनत और संसाधनों को कम आँकते हैं, भले ही हमने पहले ऐसे काम कई बार किए हों।





हम हमेशा सबसे अच्छे संभावित नतीजे पर ध्यान देते हैं और संभावित देरी, चुनौतियों और अनपेक्षित समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

यह कहाँ-कहाँ होता है?

- काम के प्रोजेक्ट्स
- पढ़ाई और परीक्षाएँ
- व्यक्तिगत लक्ष्य
- स्वास्थ्य और फिटनेस
- यात्रा योजनाएँ
- और जीवन के कई अन्य क्षेत्रों में

2 अंदरूनी नज़रिया बनाम बाहरी नज़रिया

प्लानिंग फैलेसी इसलिए होता है क्योंकि हम अंदरूनी नज़रिया अपनाते हैं, जबकि हमें बाहरी नज़रिया अपनाना चाहिए।

अंदरूनी नज़रिया
(हमारी अपनी योजना)

- मुझे पता है क्या करना है
- यह सीधा और आसान है
- मैं समय पर पूरा कर लूंगा
- सब कुछ मेरे नियंत्रग में है



हम अपने प्लान के विवरण पर ध्यान देते हैं और मान लेते हैं कि सब कुछ आसानी से हो जाएगा।

VS

बाहरी नज़रिया
(पिछले अनुभवों से सीख)

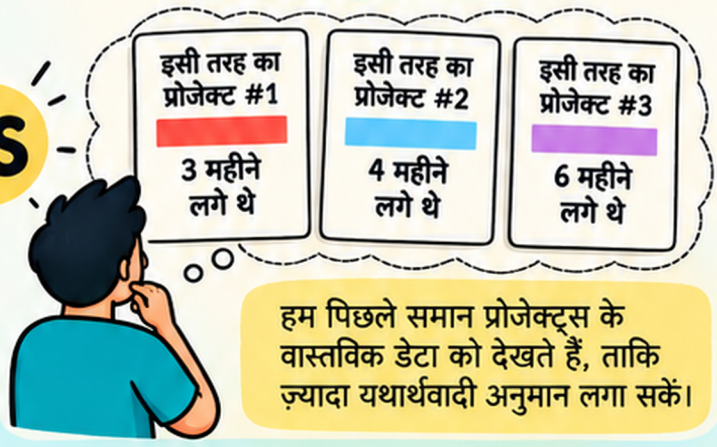

हम पिछले समान प्रोजेक्ट्स के वास्तविक डेटा को देखते हैं, ताकि ज़्यादा यथार्थवादी अनुमान लगा सकें।

3 प्लानिंग फैलेसी को कम करने के 3 व्यावहारिक उपाय

1 प्री-मॉर्टम (पहले से सोचें कि यह विफल हो गया है)



- मान लें कि भविष्य में यह काम विफल हो गया है।
- सोचें: ऐसा क्यों हुआ होगा?
- संभावित समस्याओं की सूची बनाएं।
- पहले से योजना बनाएं कि उन्हें कैसे रोकना या संभालना है।

2 पुराने आंकड़ों से सीखें
(रेफरेंस क्लास अपनाएं)



- अपने जैसे पहले किए गए प्रोजेक्ट्स का डेटा देखें।
- वे वास्तव में कितने समय में पूरे हुए थे।
- औसत (या यथार्थवादी रेंज) का उपयोग करके अनुमान लगाएं।
- दूसरों के अनुभवों से सीखें।

3 बफर टाइम जोड़ें
(अतिरिक्त समय और संसाधन रखें)



- अपनी योजना में अतिरिक्त समय रखें (जैसे 20–50% अधिक)।
- अनपेक्षित समस्याओं के लिए तैयार रहें।
- अतिरिक्त संसाधन रखें (समय, पैसा, ऊर्जा)।
- ज़रूरत पड़ने पर योजना को लचीला रखें और समायोजित करें।

ज़्यादा यथार्थवादी योजना बनाएं, कम तनाव रखें, बेहतर निर्णय लें और सफलता की संभावना बढ़ाएं!